बौना दैत्य

इस मूल जापानी कहानी में, एक राजकुमार और राजकुमारी दुनिया के कोने में एक शांतिपूर्ण देश में रहते हैं. वहां सूर्य चमकता है, चंद्रमा आकाश में घूमता है, और हर दिन एक-जैसा ही होता है - जब तक कि एक अजीब सा बौना राज्य का दौरा नहीं करता. अचानक, जीवन रोमांचक और भयावह दोनों हो जाता है.
बौना एक बांसुरी बजाता है जो ड्रम में बदल जाती है. वो नौकरों को तब तक नाचने की आज्ञा देता है जब तक वे थक नहीं जाते. वो चेरी ब्लॉसम के फूलों को कंकड़ों में बदल देता है. मंत्रमुग्ध, राजकुमार महल के चारों ओर बौने के पीछे-पीछे घूमता है, फूलों को रौंदता है और नौकरों को पीटता है. राजकुमारी भयभीत होकर भाग जाती है और एक बूढ़े किसान और उसकी पत्नी के घर में शरण लेती है. फिर राजकुमारी और उसके नए दोस्त राजकुमार को होश में लाने के लिए एक चतुर उपाय रचते हैं.
एक पुरानी कहावत उन्हें ज्ञान की राह दिखाती है: खुशी आपकी नाक के नीचे ही होती है - अगर आप उसे ढूंढें.
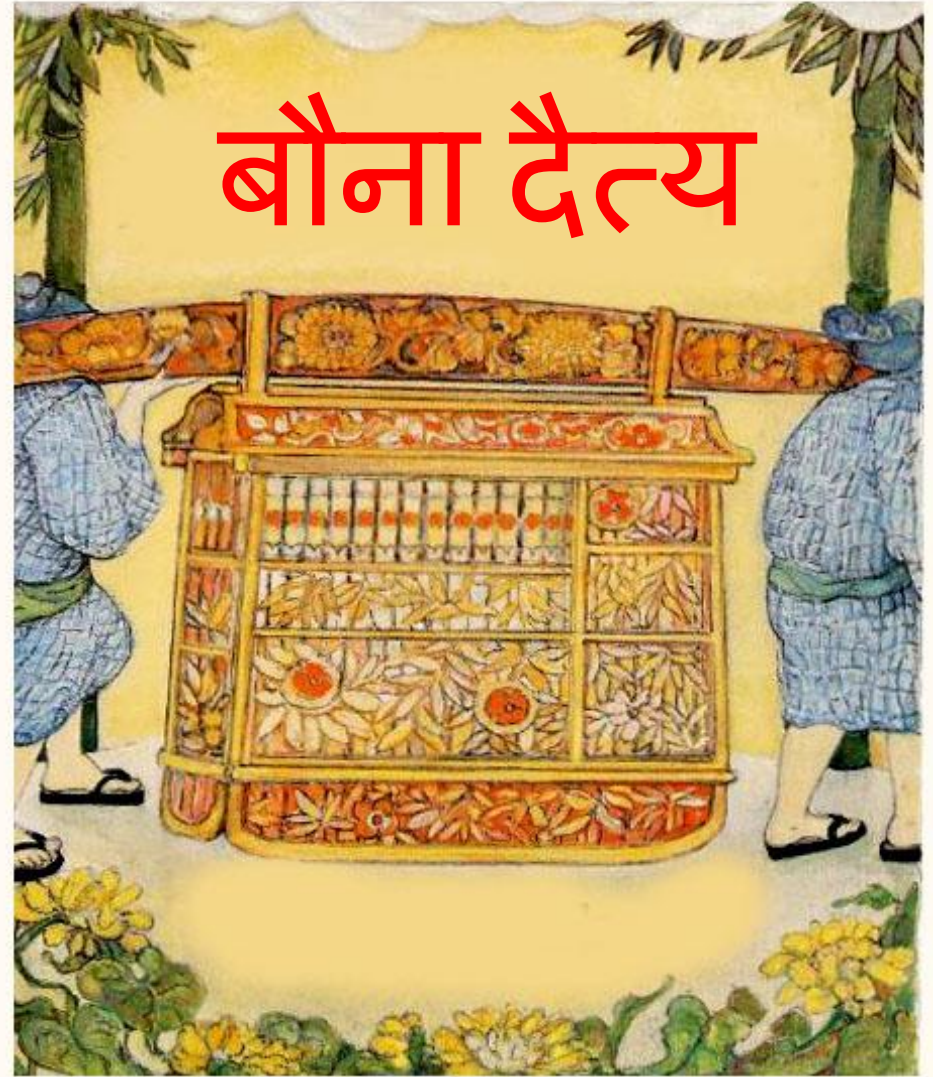
बौना दैत्य
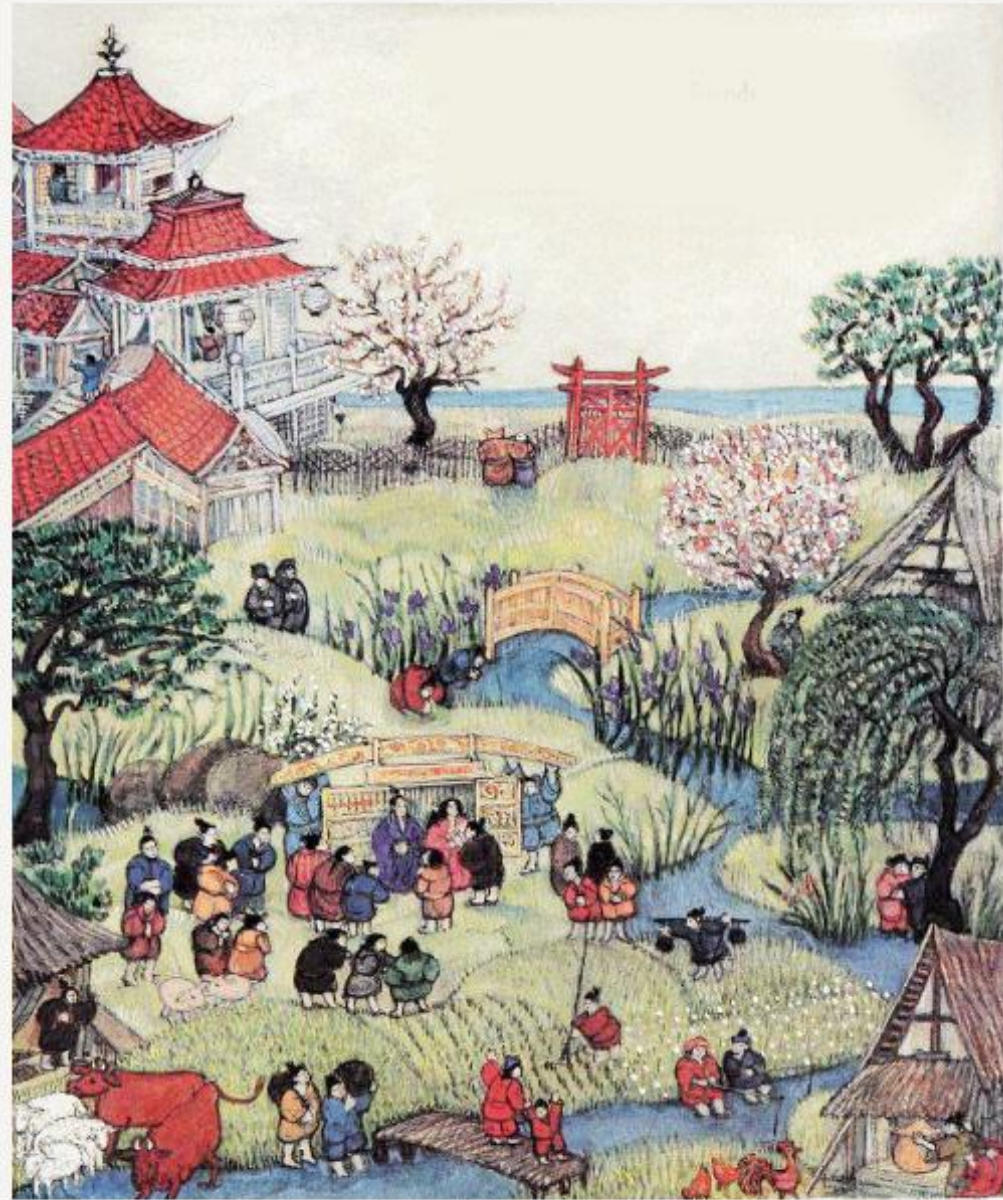
बहुत लंबे समय पहले, समुद्र से परे, दुनिया के एक कोने में एक शांतिपूर्ण देश था जहां एक पहाड़ी की छोटी पर एक सुन्दर महल खड़ा था.

महल में सुंदर राजकुमार मेनिची और उसकी खूबसूरत राजकुमारी मैनिची रहते थे.

वहां के लोगों बहुत मेहनती थे. वे अपने राजकुमार और राजकुमारी से बहुत प्यार करते थे. वहां सूरज चमकता था, चाँद आसमान में घूमता था और हर दिन पिछले दिन से अच्छा होता था.

एक शाम, राजकुमार मेनिची और राजकुमारी मैनीची समुद्र पर चमकते हुए चाँद को देख रहे थे.

"वो कितना सुंदर है," राजकुमारी ने कहा.

"हाँ!" राजकुमार बड़बड़ाया. "अन्य सभी शामों की तरह ही. कभी-कभी, मैं चाहता हूं कि मेरे जीवन में कुछ नया और रोमांचक हो."

तभी क्षितिज पर उन्हें एक छोटी नाव दिखाई दी.

तेजी से नाव किनारे पर आई.
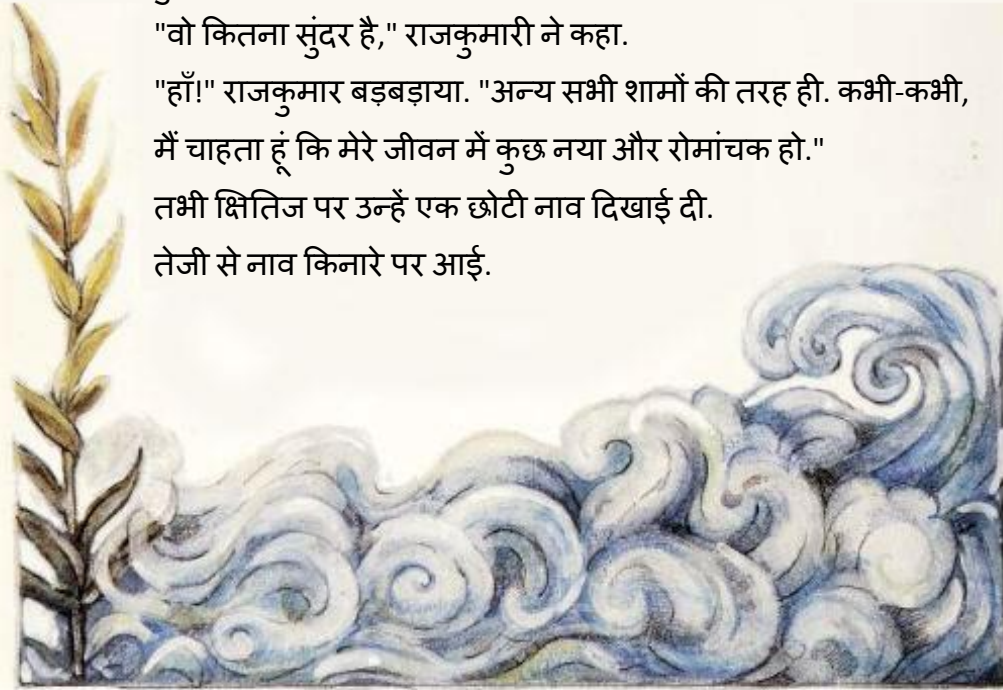
नाव में से एक बौना बाहर निकला. "मैं समुद्र में एक तूफ़ान में फंस गया था," छोटे बौने ने कहा. "क्या मैं थोड़ी देर के लिए आपके यहाँ आराम कर सकता हूं?"

"आपका हमारे शांत और शांतिपूर्ण देश में स्वागत है," राजकुमारी मैनिची ने कहा

"हमारे यहाँ बहुत कम ही मेहमान आते हैं," राजकुमार मेनिची ने कहा.

"कृपया हमारे साथ शाम का भोजन करें."

बौना जल्द ही अदरक और सरसों के साथ चावल के रोल, मशरूम, और चिकन कटलेट खा रहा था.
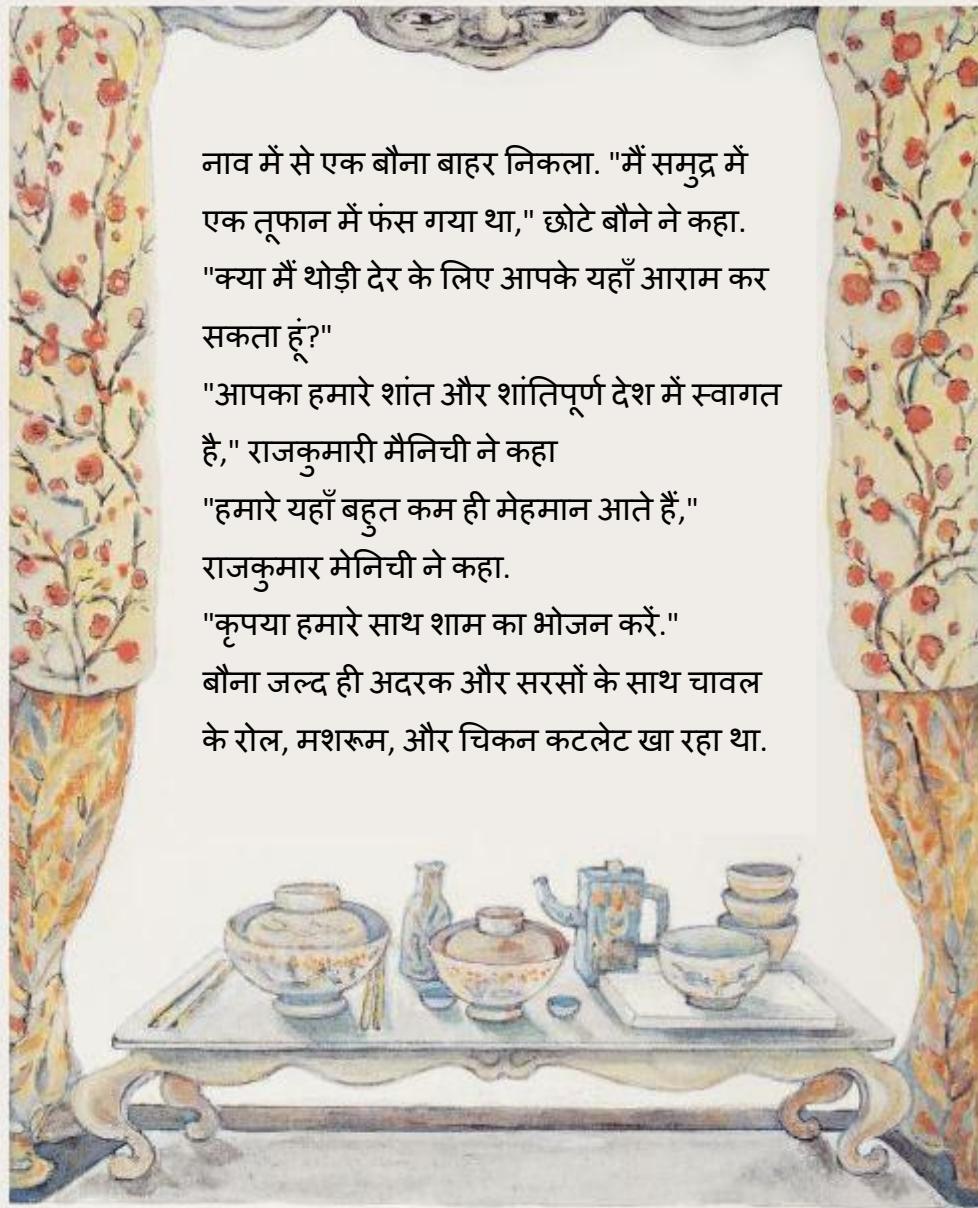
"कृपया हमारे सम्मानित अतिथि के लिए नृत्य करें," राजकुमार ने राजकुमारी से कहा.
बौने ने कहा, "आज रात आप मुझे संगीत रचने की अनुमति दें." फिर उसने राजकुमार की लकड़ी की बाँसुरी उठाई.
जैसे ही बौने ने बांसुरी बजाना शुरू की, एक छोटा चूहा बांसुरी की नोक पर नृत्य करने लगा. कुछ क्षणों में चूहा गायब हो गया. अब एक छोटा सा सांप बाँसुरी के इर्द-गिर्द खुद को समेटे हुए था. संगीत तेज़ होते ही सांप गायब हो गया और फिर वहां एक उल्लू दिखाई दिया. धीरे-धीरे संगीत और बुलंद हुआ. उल्लू ने ज़ोर की आवाज़ की और फिर वो उड़ गया.
"यह तो जादू है!" राजकुमार ने कहा.
"पर मुझे डर लग रहा है," राजकुमारी फुसफुसाई.
"मत डरो," राजकुमार ने कहा. "देखो अब हमारे राज्य में कुछ रोमांचक होगा."
कुछ देर बाद बांसुरी एक ड्रम में बदल गई. बौना उसे तब तक पीटता रहा जब तक कि उसमें से गर्जन जैसी गड़गड़ाहट की आवाज नहीं आई.
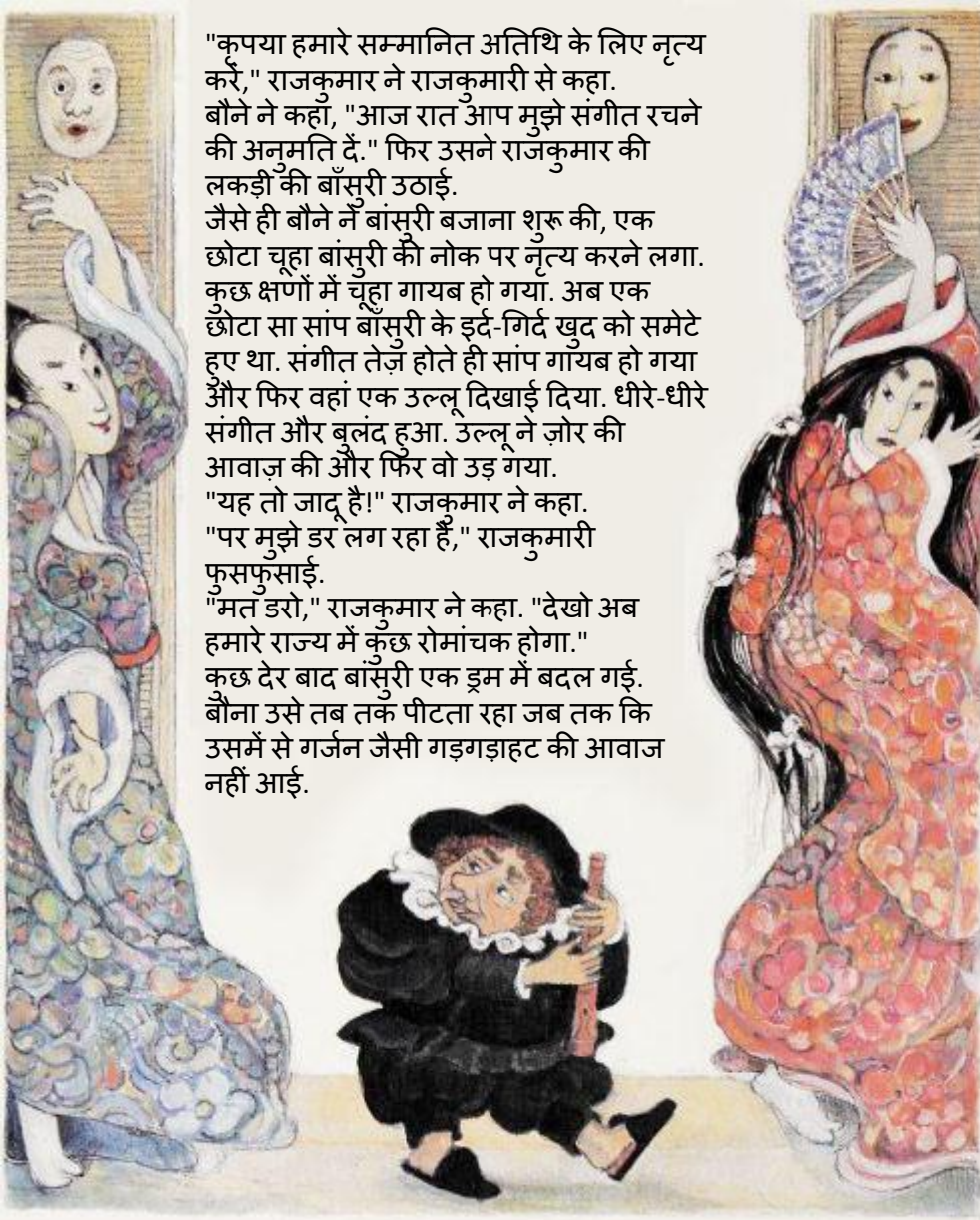
"अब नाचो!" बौना ड्रम की धुन पर चिल्लाया.
राजकुमार ने राजकुमारी को पकड़कर उसे चारों ओर घुमाना शुरू कर दिया.
"आप सभी नाचो!" बौना नौकरों पर चिल्लाया.
"मेरे संगीत पर नाचो!"
सभी के नृत्य करते ही महल हिलने लगा और कांप उठा.
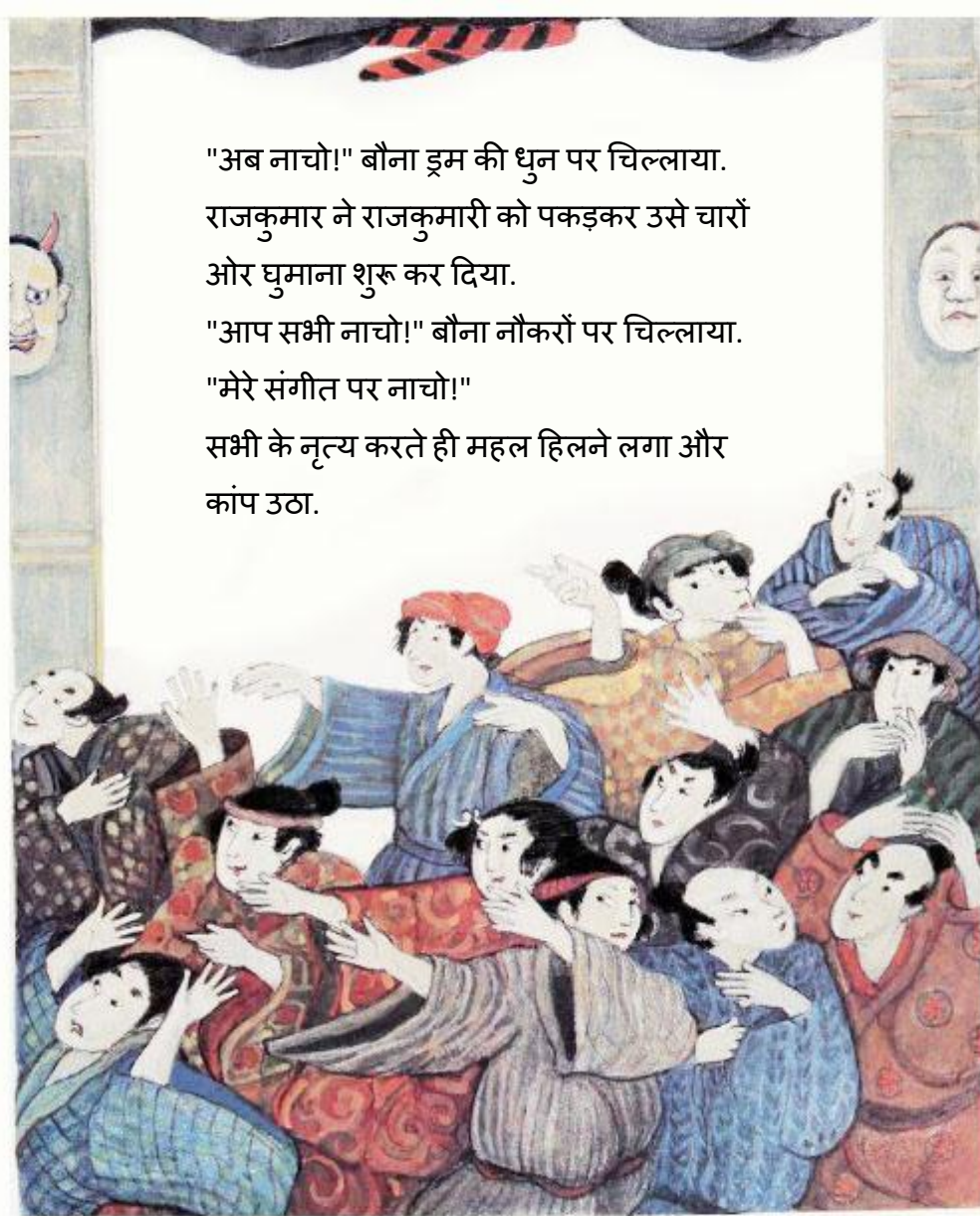
लेकिन बहुत दूर, समुद्र के किनारे पर, एक बूढ़ा किसान अपने सपने से जाग गया.
"सुनो," उसने अपनी पत्नी को जगाते हुए कहा.
उन अजीब सी आवाज़ों को सुनकर किसान और उसकी पत्नी घबरा गए. फिर वे दुबारा सो नहीं सके.
महल में, जब सूरज उगना शुरू हुआ, तो बौने ने ड्रम बजाना बंद किया. उसके बाद थके हुए नौकर, गहरी नींद में सो गए.
ड्रम फिर से एक बांसुरी में बदल गया था.
बौने ने बांसुरी चकित राजकुमार को लौटा दी.
"संगीत से महल की इमारत एक जर्जर हो गई है!" राजकुमारी चिल्लाई.
"कोई बात नहीं," उसका पति हंसा, "पर मुझे बड़ा मज़ा आ रहा है."
"यदि तुम मेरे पीछे-पीछे चलोगे, तो तुम्हें और भी अधिक मज़ा आएगा," बौने ने कहा.
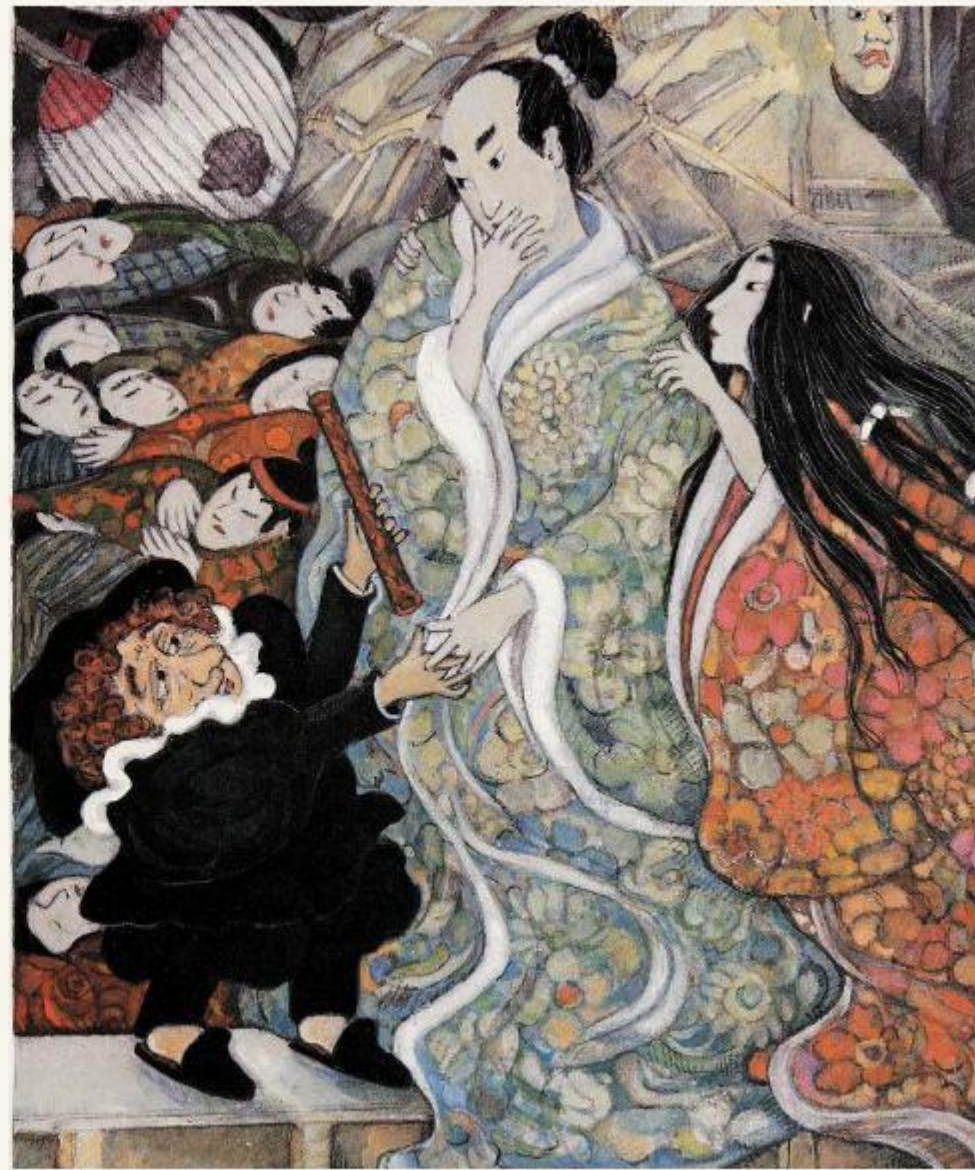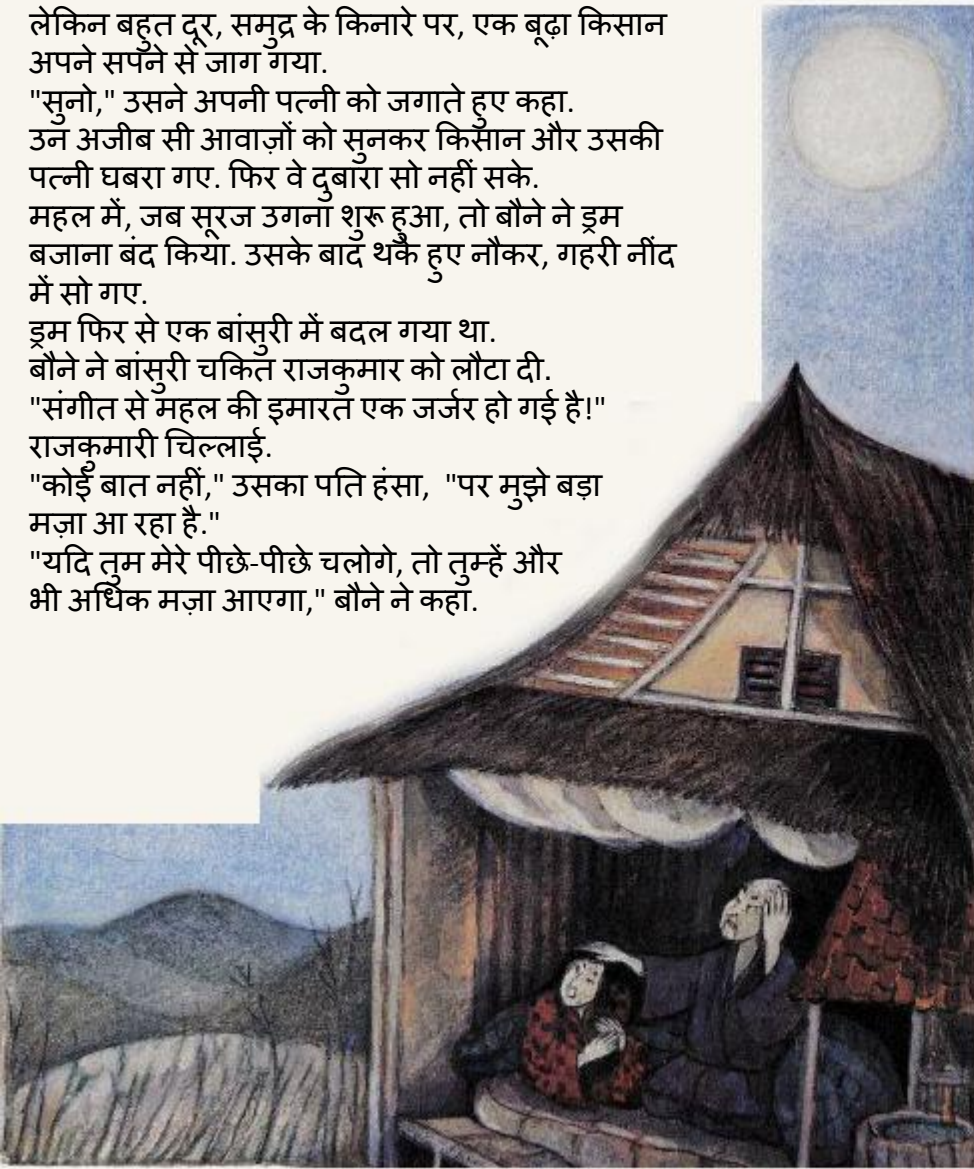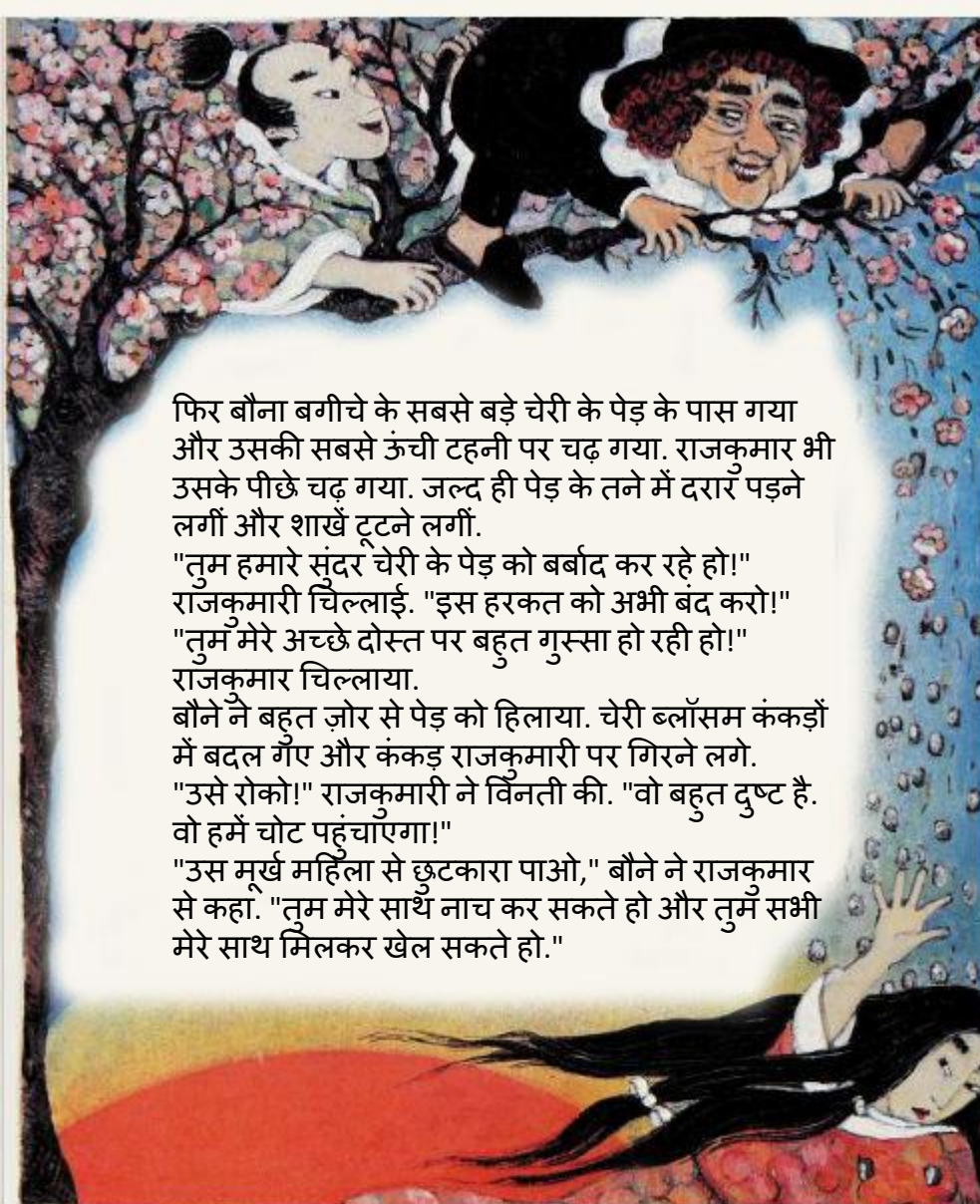
फिर बौना बगीचे के सबसे बड़े चेरी के पेड़ के पास गया और उसकी सबसे ऊंची टहनी पर चढ़ गया. राजकुमार भी उसके पीछे चढ़ गया. जल्द ही पेड़ के तने में दरारें पड़ने लगीं और शाखें टूटने लगीं.
"तुम हमारे सुंदर चेरी के पेड़ को बर्बाद कर रहे हो!" राजकुमारी चिल्लाई. "इस हरकत को अभी बंद करो!"
"तुम मेरे अच्छे दोस्त पर बहुत गुस्सा हो रही हो!" राजकुमार चिल्लाया.
बौने ने बहुत ज़ोर से पेड़ को हिलाया. चेरी ब्लॉसम कंकड़ों में बदल गए और कंकड़ राजकुमारी पर गिरने लगे.
"उसे रोको!" राजकुमारी ने विनती की. "वो बहुत दुष्ट है. वो हमें चोट पहुंचाएगा!"
"उस मूर्ख महिला से छुटकारा पाओ," बौने ने राजकुमार से कहा. "तुम मेरे साथ नाच कर सकते हो और तुम सभी मेरे साथ मिलकर खेल सकते हो."

बौना चेरी के पेड़ से नीचे कूद गया. "मेरे लिए रुको," राजकुमार चिल्लाया.
फिर वो दोनों फूलों को रौंदते हुए नाचने लगे.
"होश में आओ, पति!" राजकुमारी ने विनती की. "ये दुष्ट खेल बंद करो!"
"खेल!" बौने ने कहा. "मैं तुम्हें एक अच्छा खेल दिखाऊंगा!"

फिर बौने ने अपने हाथ हिलाये और एक शतरंज का बोर्ड दिखाई दिया.

"शतरंज के मोहरों ने बोर्ड से छलांग लगाई और राजकुमारी का पीछा किया.

"चलो अब वो चली गई है, मेरे प्यारे दोस्त!" राजकुमार गिड़गिड़ाया.

"अब हम खेल सकते हैं और खूब मज़ा कर सकते हैं!"
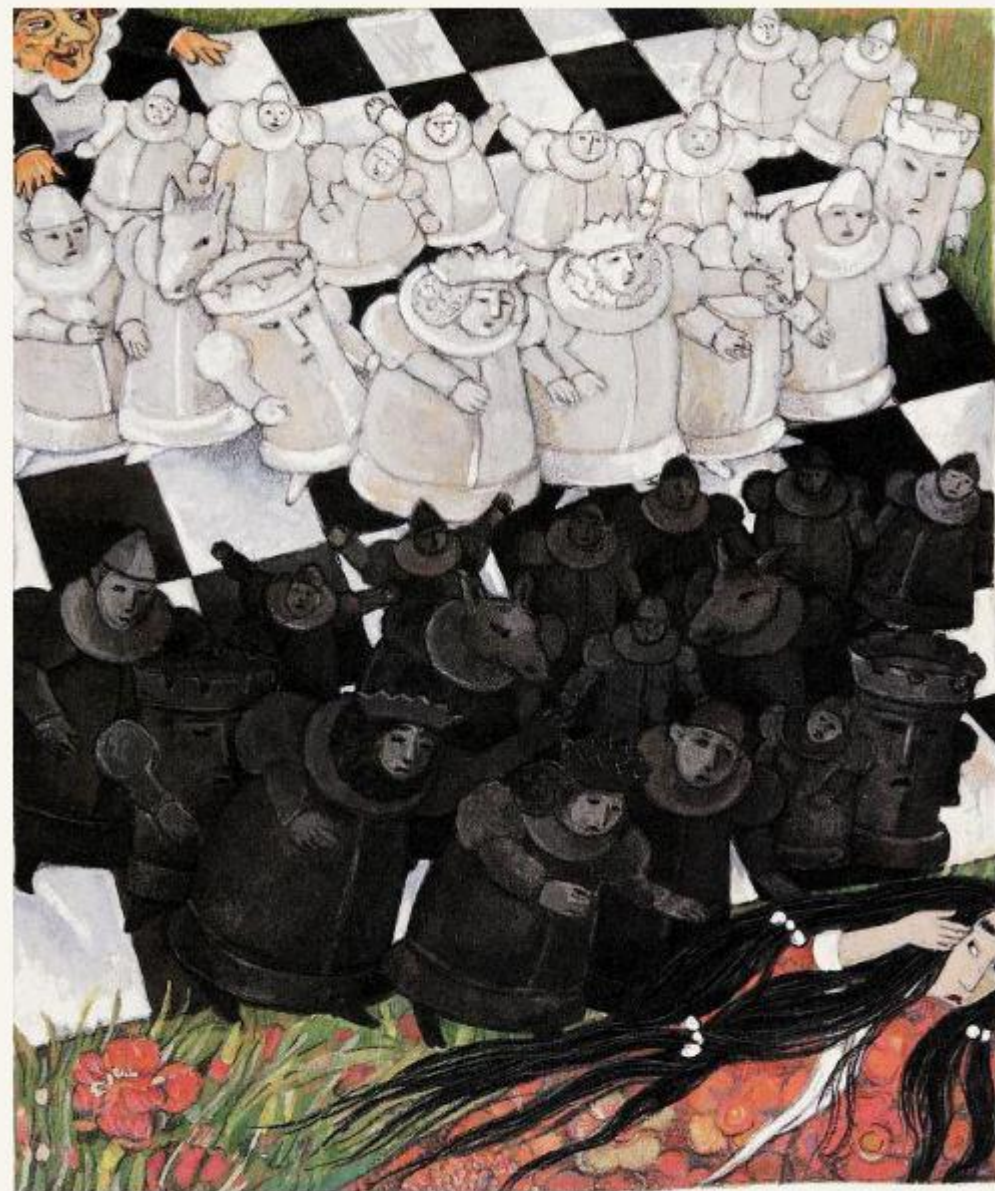
राजकुमारी महल से भागी.
वह भागकर कर उस स्थान पर पहुंची जहाँ एक बूढ़ा किसान और उसकी पत्नी रहते थे.
"मुझे अपने पति और अपने घर को, एक दुष्ट बौने से बचाना है," राजकुमारी ने रोते हुए कहा.
"हम ज़रूर तुम्हारी मदद करेंगे," किसान ने कहा.
फिर सभी ने साथ मिलकर चाय पी. उसके बाद राजकुमारी ने कहा, "आप मेरे साथ चलें. मैंने एक योजना सोची है."
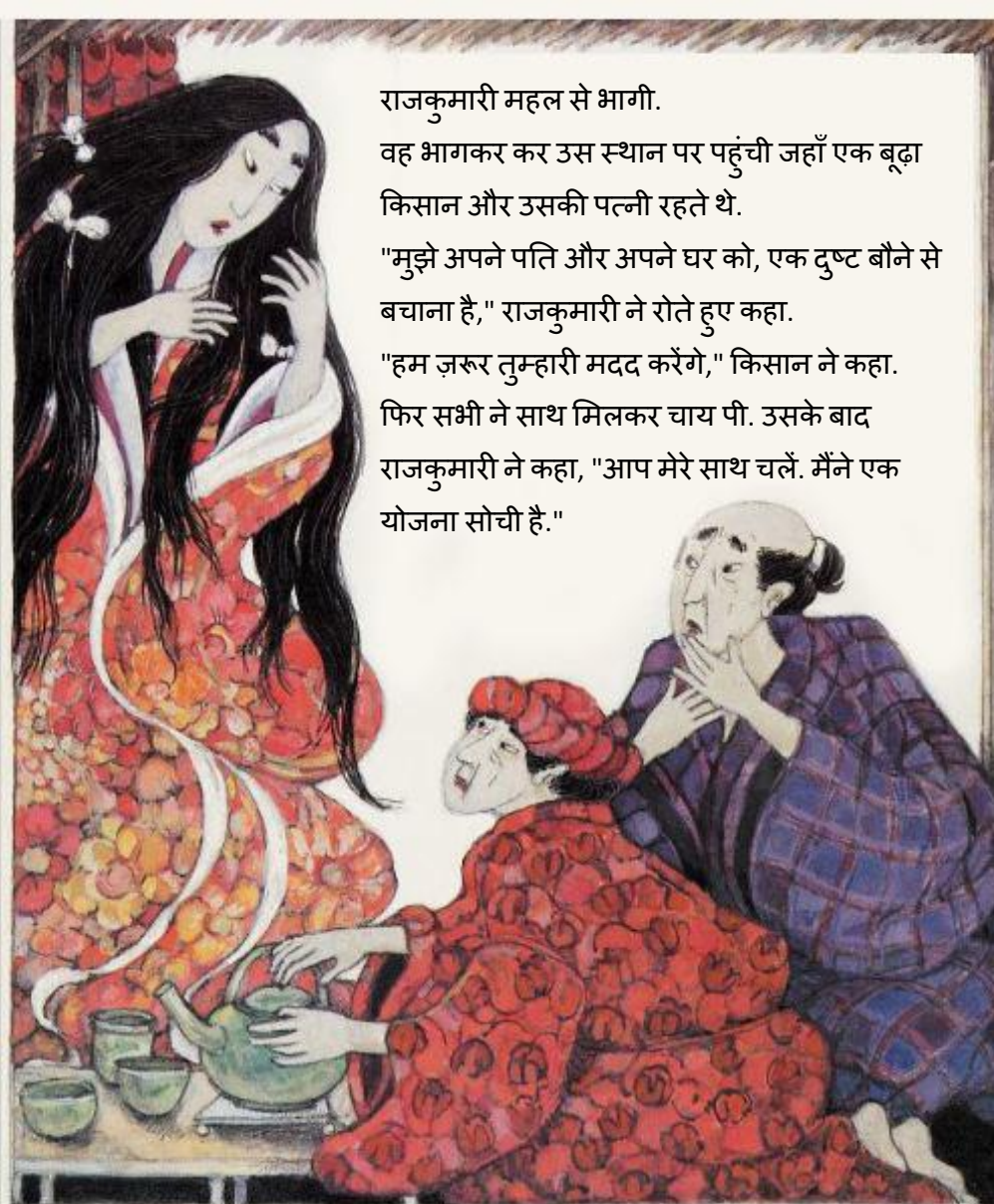
महल में, राजकुमार और बौना अभी भी ऊपर-नीचे कूद रहे थे और सोते हुए नौकरों को पीट रहे थे.
"जाओ! जाओ!" राजकुमार चिल्लाया. "यह पार्टी करने का, जश्न मनाने का समय है. मेरा सबसे अच्छा दोस्त आपको कुछ अद्भुत जादू दिखाएगा."
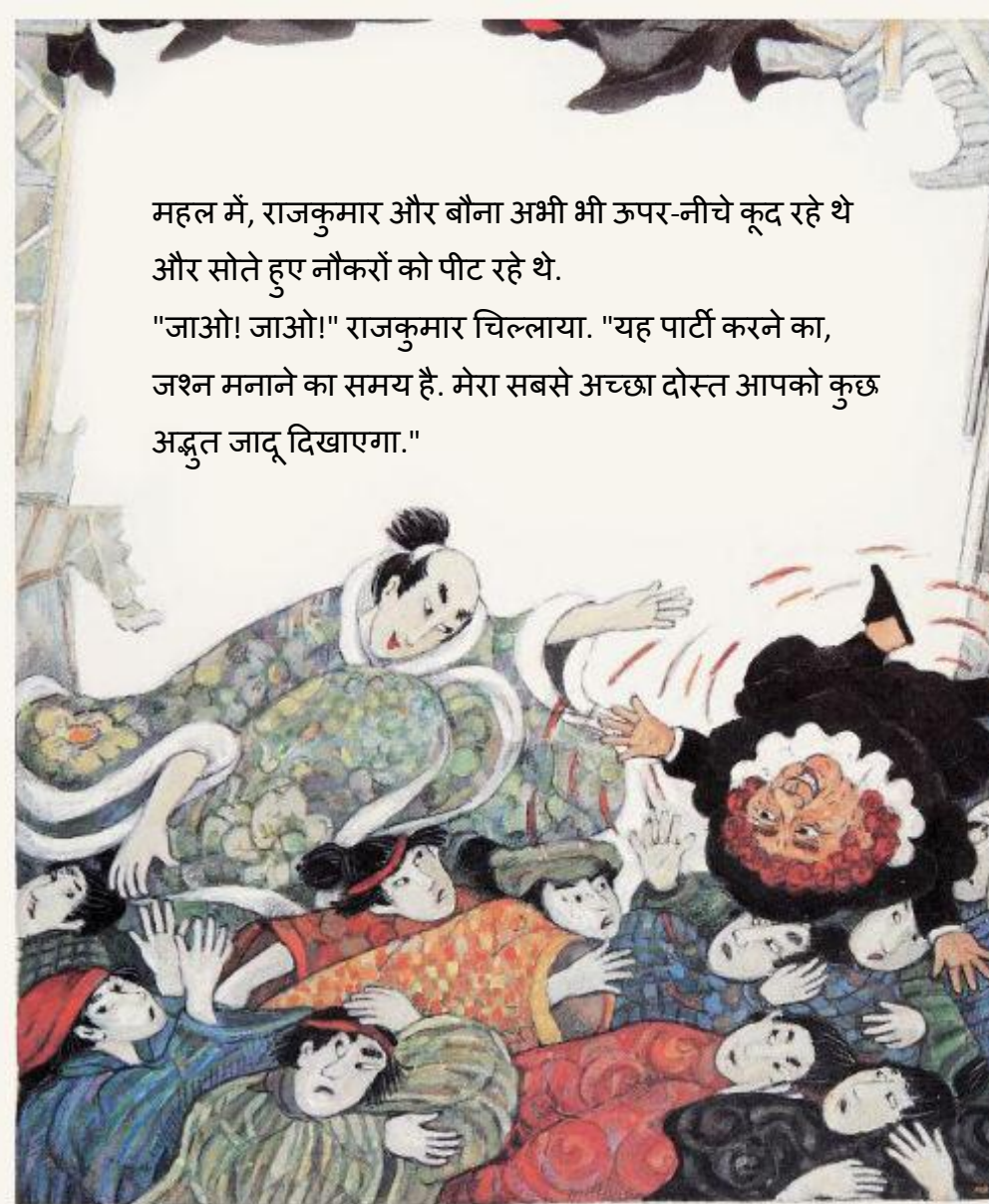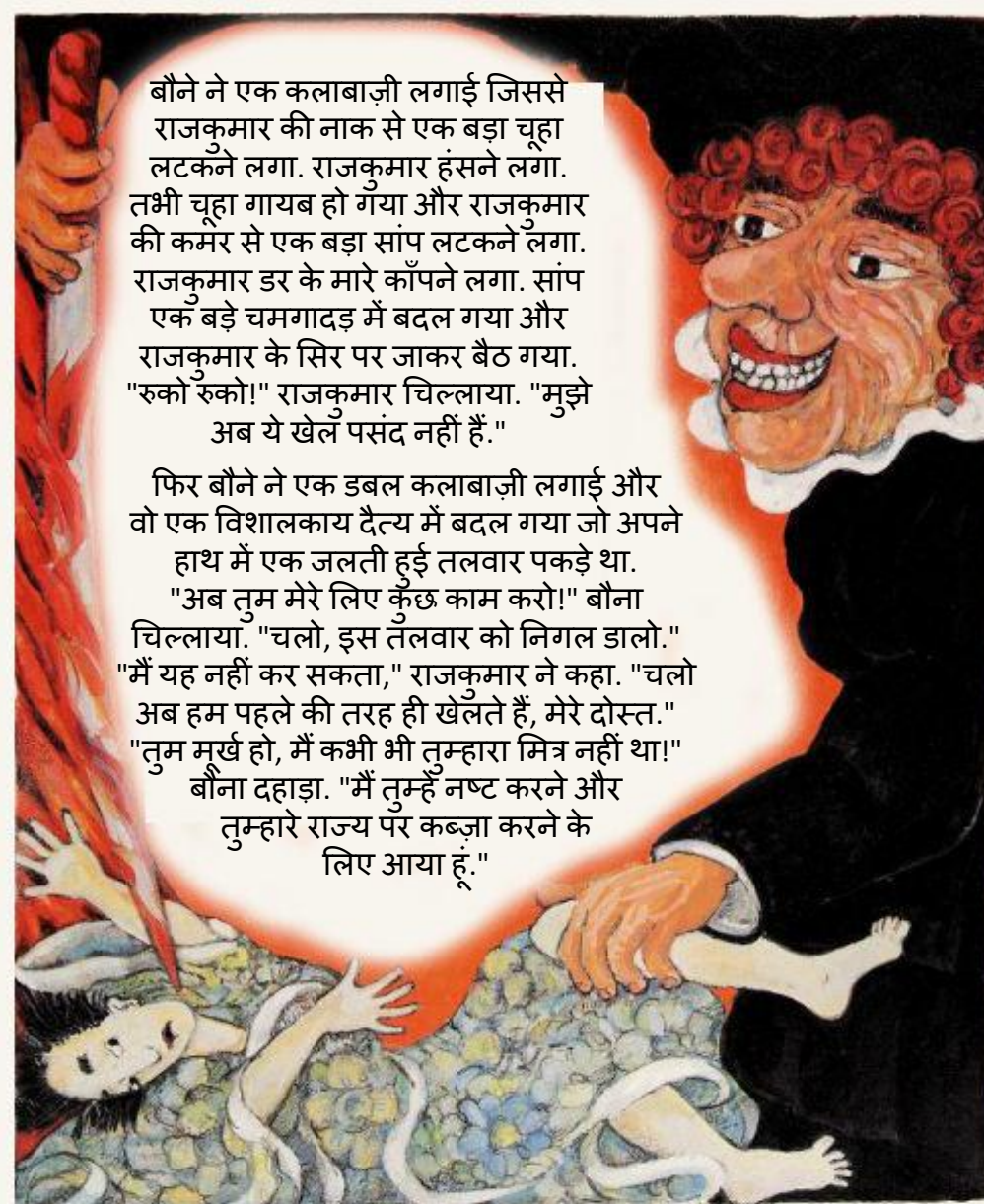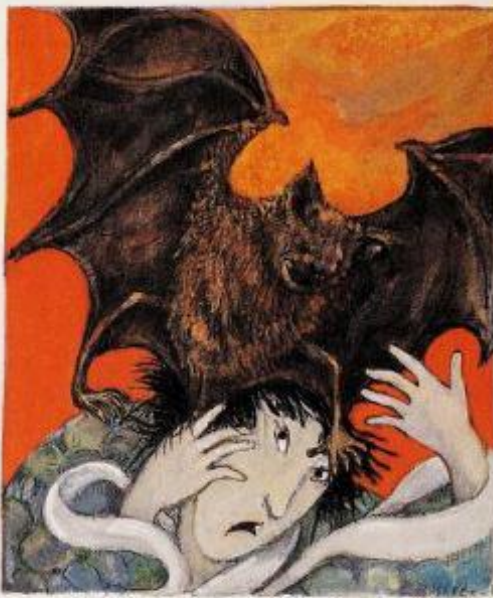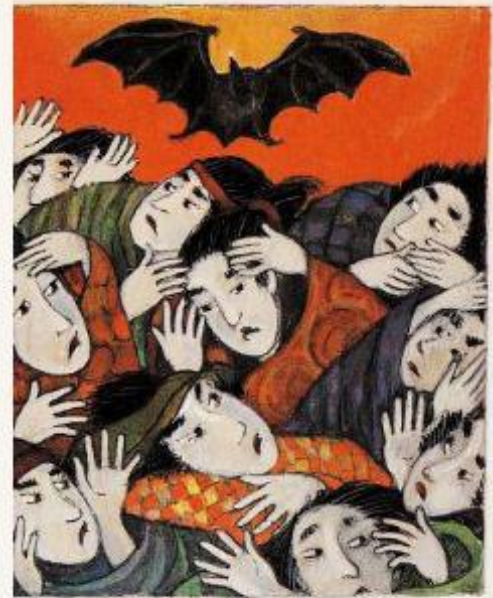
बौने ने एक कलाबाज़ी लगाई जिससे
राजकुमार की नाक से एक बड़ा चूहा
लटकने लगा. राजकुमार हंसने लगा.
तभी चूहा गायब हो गया और राजकुमार
की कमर से एक बड़ा सांप लटकने लगा.
राजकुमार डर के मारे काँपने लगा. सांप
एक बड़े चमगादड़ में बदल गया और
राजकुमार के सिर पर जाकर बैठ गया.
"रुको रुको!" राजकुमार चिल्लाया. "मुझे
अब ये खेल पसंद नहीं हैं."

फिर बौने ने एक डबल कलाबाज़ी लगाई और
वो एक विशालकाय दैत्य में बदल गया जो अपने
हाथ में एक जलती हुई तलवार पकड़े था.
"अब तुम मेरे लिए कुछ काम करो!" बौना
चिल्लाया. "चलो, इस तलवार को निगल डालो."
"मैं यह नहीं कर सकता," राजकुमार ने कहा. "चलो
अब हम पहले की तरह ही खेलते हैं, मेरे दोस्त."
"तुम मूर्ख हो, मैं कभी भी तुम्हारा मित्र नहीं था!"
बौना दहाड़ा. "मैं तुम्हें नष्ट करने और
तुम्हारे राज्य पर कब्ज़ा करने के
लिए आया हूं."
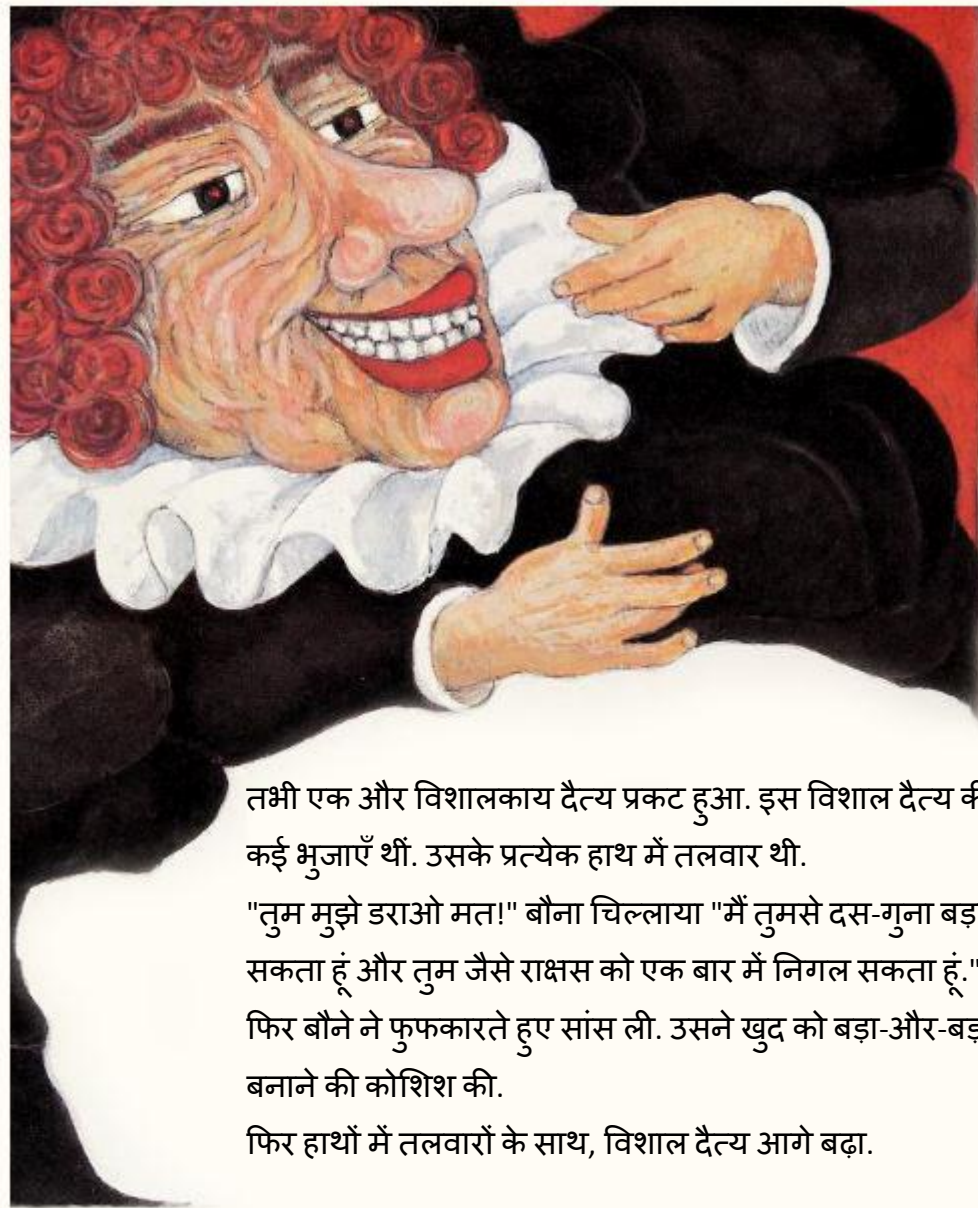
तभी एक और विशालकाय दैत्य प्रकट हुआ. इस विशाल दैत्य की कई भुजाएँ थीं. उसके प्रत्येक हाथ में तलवार थी.

"तुम मुझे डराओ मत!" बौना चिल्लाया "मैं तुमसे दस-गुना बड़ा बन सकता हूं और तुम जैसे राक्षस को एक बार में निगल सकता हूं."

फिर बौने ने फुफकारते हुए सांस ली. उसने खुद को बड़ा-और-बड़ा बनाने की कोशिश की.

फिर हाथों में तलवारों के साथ, विशाल दैत्य आगे बढ़ा.
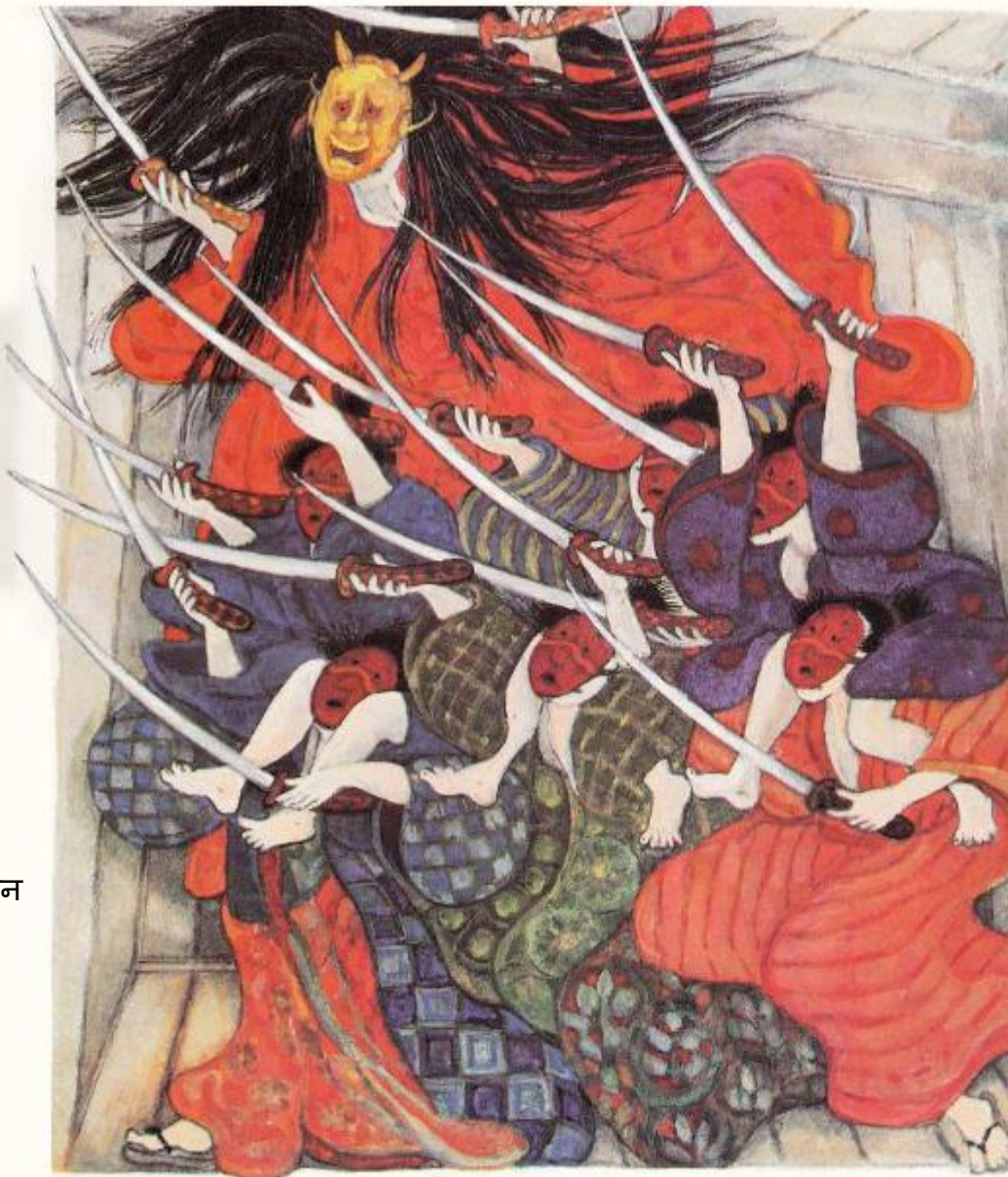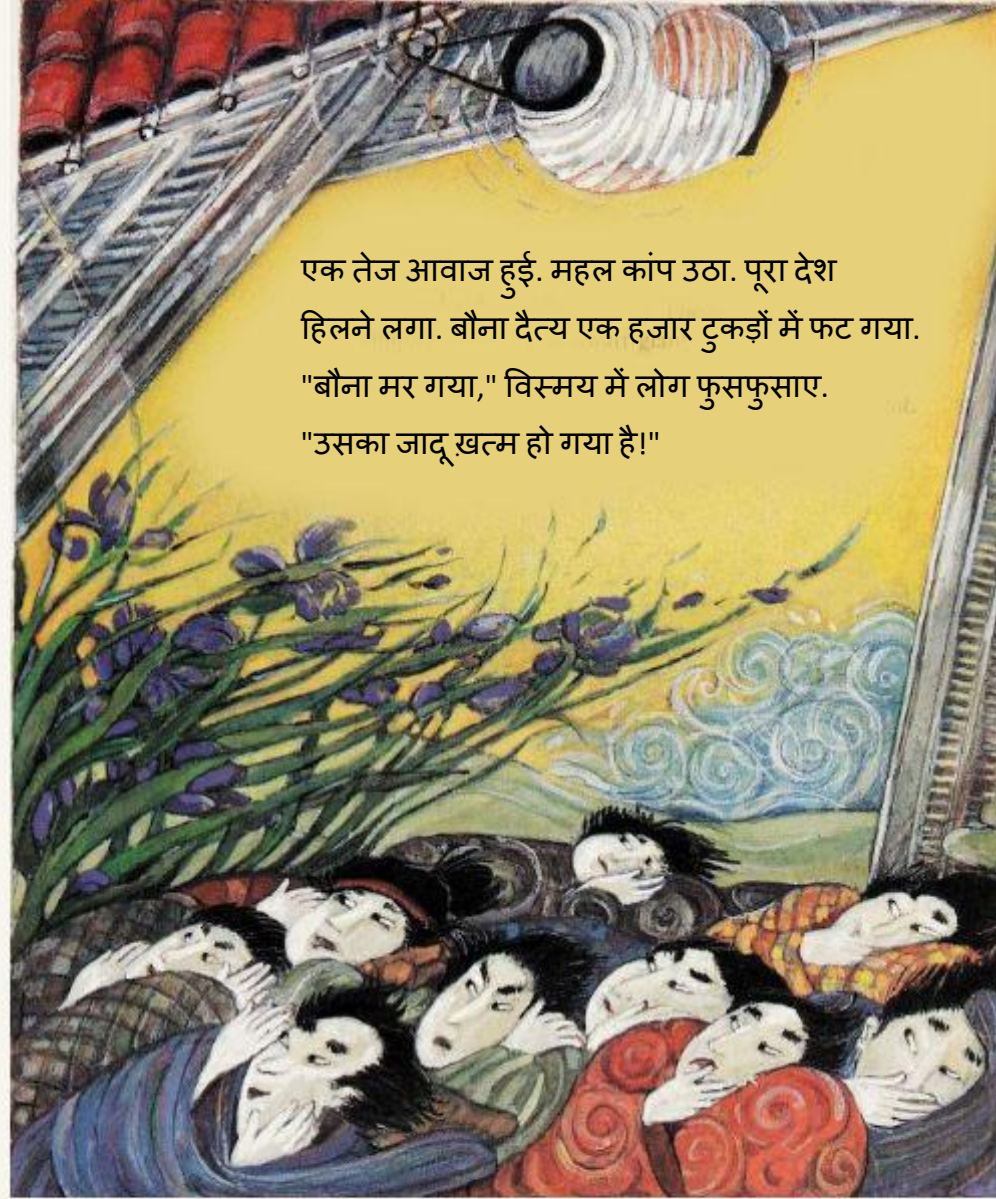
एक तेज आवाज हुई. महल कांप उठा. पूरा देश हिलने लगा. बौना दैत्य एक हज़ार टुकड़ों में फट गया.
"बौना मर गया," विस्मय में लोग फुसफुसाए.
"उसका जादू ख़त्म हो गया है!"

अब विशालकाय दैत्य के पैरों पर राजकुमार मेनिची अपने घुटनों के बल गिर पड़ा था. "मेरा जीवन बचाने के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद. मुझे मालूम नहीं आप कौन हैं," उसने कहा.

"रोना बंद करो, तुम एक मूर्ख आदमी हो!" राजकुमारी मैनची ने कहा.

खुश किसानों ने राजकुमारी को अपने कंधों से नीचे उतारा.

"धन्यवाद, मेरे अच्छे मित्रों," राजकुमारी ने कहा. "आप लोगों ने बड़ी बहादुरी से मेरा साथ दिया."

"मेरी प्रिय पत्नी," राजकुमार ने कहा. "मेरी मूर्खता के लिए कृपया मुझे क्षमा करना. मेरे प्यारे लोगों, आप लोग टूटी चीज़ों की मरम्मत करने में मेरी मदद करें. चलो, अब बला टलने का हम सब जश्न मनाएं."

महल को एक बार फिर सुंदर बनाया गया. लालटेन जलाई गयीं और पूरे राज्य से लोग आए. स्वादिष्ट व्यंजनों की एक शानदार दावत हुई. राजकुमार ने अपनी बांसुरी पर अद्भुत संगीत बजाया और राजकुमारी ने नृत्य किया. अब सभी लोग खुश थे.
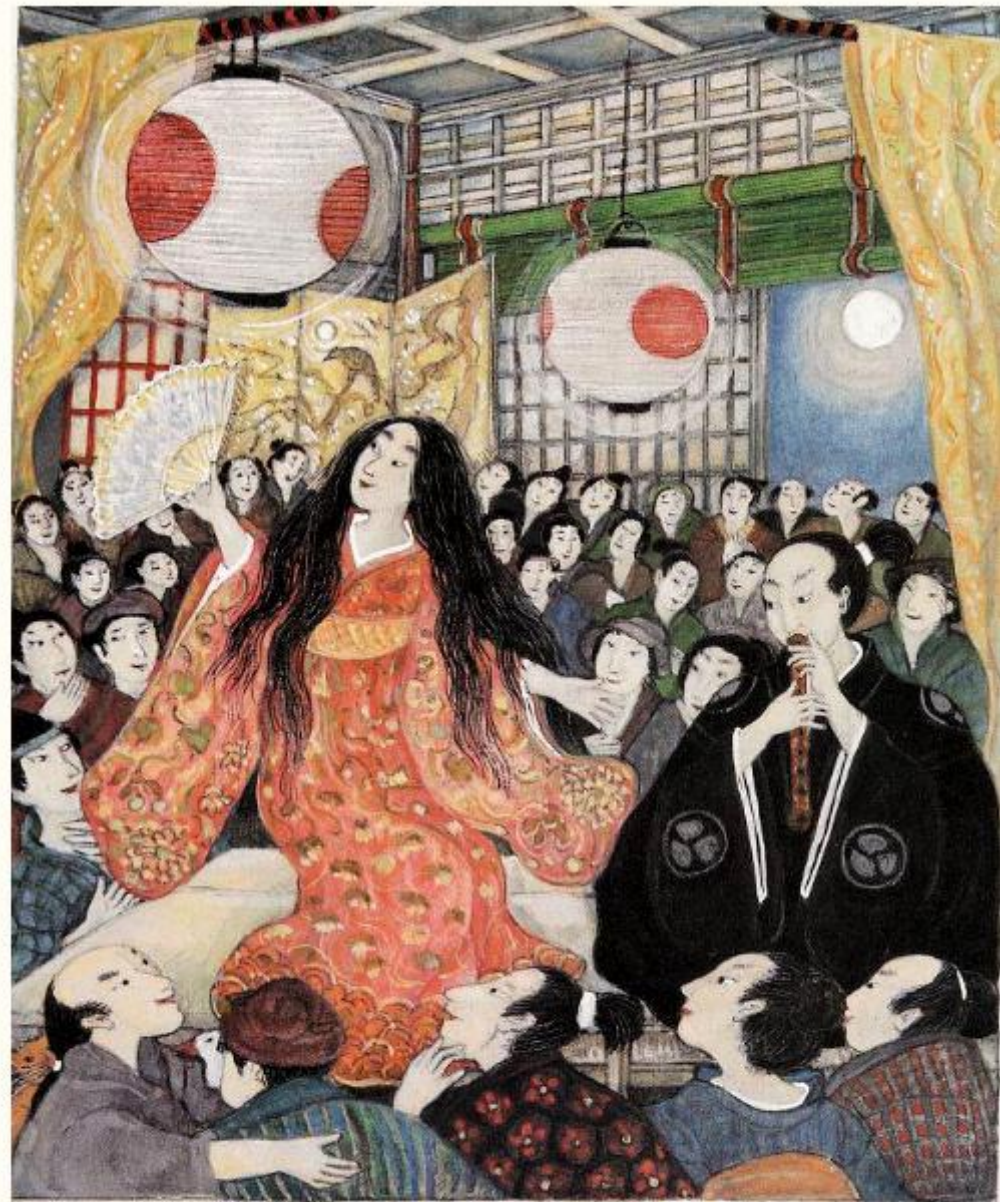
फिर राजकुमार मेनिची और राजकुमारी मैनिची सोने के लिए लेटे. उस रात एक नौकर आया और उसने फुसफुसाकर कर कहा, "महाराज, गेट पर सम्मानित अतिथि आये हैं!" "हम क्या करें?" राजकुमारी मैनिची ने पूछा. "चलो अब के लिए हम चाँद को निहारेंगे." राजकुमार मेनिची ने कहा. "हम कल सोचेंगे कि क्या करना है."

समाप्त